न्यूज़ टुडे

दूरसंचार विभाग, दूरसंचार क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPRs) को बढ़ावा देने वाले एक रणनीतिक रोडमैप पर विचार कर रहा है

- **दूरसंचार क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR) को बढ़ावा देने के पीछे कारण:**
  - दूरसंचार उपकरणों की वैश्विक **आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी 1% से भी कम** है।
  - **भारत में दूरसंचार पेटेंट देने में 5–8 वर्ष लगते** हैं। वहीं अमेरिका में इसके लिए 1–2 वर्ष और चीन में 3 वर्ष ही लगते हैं।
  - भारत के पास दूरसंचार क्षेत्र के लिए सार्वजनिक पहुँच वाला **इंडिया पेटेंट डेटाबेस नहीं है,** जिसे स्टार्टअप्स भी प्राप्त कर सकें।
- **प्रस्तावित रोडमैप**
  - **सॉवरेन पेटेंट फंड:** इसके तरह घरेलू कंपनियों से **पेटेंट एकत्र करना** और उन्हें विदेशों में सामूहिक रूप में प्रस्तुत करने की योजना है। साथ ही, 5G और 6G जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों हेतु देश के लिए पेटेंट लाइसेंस प्राप्त करना भी शामिल है।
  - **भारत टेक्नोलॉजी बैंक:** इसके अंतर्गत **जरूरतमंद देशों** को मामूली शुल्क के भुगतान पर **भारतीय पेटेंट देने की योजना** है। इसके पीछे उद्देश्य राजनयिक सद्भावना पैदा करना और भारतीय कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचने में मदद करना है।
  - **डिजिकॉम बौद्धिक संपदा प्रबंधन बोर्ड:** भारत में मानक अनिवार्य पेटेंट (SEP) से संबंधित मुद्दों पर IPR लाइसेंसिंग, IP प्रबंधन और माध्यस्थम (arbitrate) जैसी सुविधा प्रदान करने की योजना है। SEP दूरसंचार उद्योग की मुख्य प्रौद्योगिकियों जैसे वाईफाई, ब्लूटूथ, जीपीएस आदि की रक्षा करता है।
- **दूरसंचार क्षेत्र के लिए लाभ:**
  - यह रणनीति भारतीय दूरसंचार क्षेत्र को **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी** बनाने में मदद करेगी।
  - यह अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से **तकनीकी क्षमताओं के विस्तार** में निवेश को प्रोत्साहित करेगी।

विश्व बैंक के अनुसार सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) वित्तीय स्थायित्व के समक्ष खतरा पैदा कर सकती है

- विश्व बैंक के अनुसार, CBDC की शुरुआत निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है:
  - **वित्तीय स्थायित्व,**
  - **वित्तीय सत्यनिष्ठा/ईमानदारी,**
  - **डेटा सुरक्षा और निजता, तथा**
  - **साइबर खतरों से निपटने की क्षमता।**
  - इसके अलावा, यह कानूनी और विनियामक ढांचे के समक्ष चुनौती पैदा कर सकती है तथा **केंद्रीय बैंकों की जिम्मेदारियां बढ़ा सकती है।** साथ ही, सीमा पार लेनदेन के माध्यम से **मुद्रा प्रतिस्थापन** होने की भी आशंका है।

- सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) केंद्रीय बैंक द्वारा डिजिटल रूप में जारी एक वैध मुद्रा है। यह **फ़िएट मुद्रा (सरकार द्वारा समर्थित) के समान है। फ़िएट मुद्रा के साथ इसका विनिमय किया जा सकता है,** केवल इसका रूप अलग है।
  - CBDC को डिजिटल रूप से सृजित किया जा सकता है। इसे केंद्रीकृत या विकेन्द्रीकृत खाता बहियों में रिकॉर्ड किया जा सकता है।
- **CBDC के प्रकार:**
  - थोक CBDC: इस तक पहुँच और इसका परिचालन **पहले से तय एजेंटों के कुछ विशेष वर्गों** (जैसे बैंक एवं चुनिंदा वित्तीय संस्थान) तक ही सीमित होता है।
  - **खुदरा/सामान्य–उद्देश्य CBDC:** इस तक पहुँच और इसका परिचालन आम जन सहित एजेंटों के व्यापक वर्गों के लिए खुला होता है।
- CBDC अर्थव्यवस्था को कई दृष्टिकोणों से लाभ प्रदान करती है (इन्फोग्राफिक्स देखें)।
- केंद्रीय बजट 2022–23 में, वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकी वित्तपोषण एवं कर चोरी के मामलों को कम करने के लिए **अपना डिजिटल रुपया (CBDC) लॉन्च करेगा।**
  - **बहामास और नाइजीरिया** जैसे देशों ने पहले ही CBDC लॉन्च कर दी है।

पेरिस में भारत–फ्रांस के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर वार्ता संपन्न हुई

- हाल ही में, **भारत–फ्रांस संयुक्त स्टाफ वार्ता** का 20वां संस्करण आयोजित किया गया था। इसमें द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए नई पहलों पर बल दिया गया है।
  - भारत–फ्रांस संयुक्त स्टाफ वार्ता दोनों **देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए स्थापित एक मंच** है। इसके लिए सामरिक और कार्रवाई स्तरों पर नियमित वार्ता आयोजित की जाती है।
  - **फ्रांस** तेजी से भारत के रक्षा सहयोगी भागीदार के रूप में उभर रहा है।
- इससे पहले, **भारत और फ्रांस ने ब्लू इकोनॉमी पर आदान–प्रदान बढ़ाने के लिए एक रोडमैप** पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य विधि के शासन के आधार पर महासागरीय अभिशासन के लिए एक साझा विज़न निर्मित करना है।
- **भारत–फ्रांस सहयोग के क्षेत्र**
  - **ऊर्जा सहयोग: अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** दोनों देशों की संयुक्त पहल है। इसे सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए COP21 के दौरान लॉन्च किया गया था।
  - रक्षा सहयोग: भारत ने फ्रांस से राफेल विमान खरीदे हैं। साथ ही, 6 स्कॉर्पीन पनडुब्बियों (पी–75 प्रोजेक्ट के तहत) की खरीद के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किये हैं।
    - **दोनों पक्ष निम्नलिखित तीन द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास भी आयोजित करते हैं:**
      - **गरुड़:** द्विपक्षीय वायुसेना अभ्यास,
      - **वरुण:** द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास, और
      - **शक्ति:** द्विपक्षीय थल सेना अभ्यास।
  - **अंतरिक्ष सहयोग: भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' में सहयोग** के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
  - **असैन्य परमाणु सहयोग:** दोनों देशों ने वर्ष 2008 में एक असैन्य परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
  - **भू–सामरिक:** दोनों देशों ने एक **स्वतंत्र और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत क्षेत्र** सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

भारत–फ्रांस संबंध संक्षिप्त विवरण:

- दोनों देशों के बीच परंपरागत रूप से **घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध** रहे हैं।
- वर्ष 1998 में दोनों देशों ने अपने संबंधों को **रणनीतिक साझेदारी** तक बढ़ा दिया था।
- दोनों देश एक **बहु–ध्रुवीय विश्व व्यवस्था** का समर्थन करते हैं।
- फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत के दावे और **संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के संबंध में भारत की मांगों** का समर्थन कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र (UN) के अनुसार पूर्व चेतावनी प्रणाली (EWS) को उपयोग शुरू होने के पांच वर्ष के भीतर सभी की रक्षा करने योग्य होना चाहिए

- UN के एक लक्ष्य के अनुसार, अगले 5 वर्षों के भीतर **पृथ्वी पर हर किसी को तेजी** से बढ़ती चरम मौसमी घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध 'पूर्व चेतावनी प्रणाली' के माध्यम से **सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।**
  - उपर्युक्त घोषणा **विश्व मौसम विज्ञान दिवस (23 मार्च)** के अवसर पर की गई थी।
  - **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयासों का नेतृत्व करने को कहा गया है। साथ ही, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक कार्य योजना भी प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया है।
  - एक विश्वव्यापी EWS स्थापित करने के लिए **अगले पांच वर्षों में 1.5 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता है।**
- **EWS, जलवायु परिवर्तन के लिए एक अनुकूलन उपाय** है। यह समुदायों को जलवायु संबंधी जोखिमपूर्ण घटनाओं से निपटने के लिए तैयार करने में मदद करने हेतु एकीकृत संचार प्रणालियों का उपयोग करती है।
  - वर्तमान में, विश्व की एक तिहाई आबादी पूर्व चेतावनी प्रणाली के दायरे में नहीं आती है।
- यह **आर्थिक नुकसान को कम करने और प्रभावित होने वालों की संख्या को कम करने में मदद** करती है।
  - 1970 के दशक से, पूर्व चेतावनी मौसम प्रणालियों की वजह से प्राकृतिक आपदाओं के कारण मरने वाले लोगों की संख्या में 76% की कमी आयी है।
- **भारत में पूर्व चेतावनी प्रणाली (EWS)**
  - **भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) ने क्षेत्रीय भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली** विकसित की है। यह ढलान विशेष और स्थान विशेष भूस्खलन की संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाती है।
  - **समुदाय आधारित** बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** सक्षम प्रणाली है। यह बाढ़ आपदाओं की स्थिति का पता लगती है और प्रतिक्रिया करती है।
  - **भारतीय सुनामी–पूर्व चेतावनी प्रणाली** को वर्ष 2007 में स्थापित किया गया था। इसे भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना प्रणाली केंद्र (INCOIS), हैदराबाद संचालित करता है।

पूर्व चेतावनी प्रणाली के आरंभ से अंत तक के घटक: WMO, 2020 स्टेट ऑफ़ क्लाइमेट सर्विसेज रिपोर्ट

भारतीय डेयरी उत्पादों का निर्यात 500 मिलियन डॉलर को पार कर आठ वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है

- वित्त वर्ष 2022 में भारतीय डेयरी निर्यात में एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में व्यापक बढ़ोतरी हुई है। इसमें **मूल्य की दृष्टि से 93% की, वहीं मात्रा की दृष्टि से 63% की वृद्धि** दर्ज की गई है।
- निर्यात में वृद्धि के कारण
  - **कमोडिटी और मूल्य वर्धित डेयरी उत्पादों, दोनों की मांग में बढ़ोतरी** हुई है।
  - **वैश्विक कीमतों में वृद्धि** दर्ज की गयी है।
  - डेयरी समृद्ध देशों में **आहार लागत बढ़ रही** है, जबकि **उर्वरक की कमी** देखी जा रही है।
    - इस वजह से भारतीय डेयरी उत्पाद की मांग बढ़ी है।
- उपर्युक्त के अलावा, **निम्नलिखित पहलों ने भी भारतीय डेयरी क्षेत्र की मजबूती में मदद की है:**
  - **डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना विकास कोष:** इसके तहत पूंजी की कमी का सामना कर रही दुग्ध सहकारी समितियों को 6.5% की दर से रियायती ऋण प्रदान किया जाता है।
  - **पशुपालन अवसंरचना विकास कोष:** यह मांस प्रसंस्करण क्षमता और उत्पाद विविधीकरण को बढ़ाने में मदद करता है।
  - **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम:** इसके तहत दूध और दूध उत्पादों की **खरीद, प्रसंस्करण एवं विपणन** के लिए डेयरी अवसंरचना का निर्माण तथा उन्हें मजबूत करने में मदद की जाती है।
  - **किसान क्रेडिट कार्ड (KCC):** इसके माध्यम से पशुपालक किसानों को बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता प्रदान की जाती है।
  - **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना:** मोजरेला पनीर के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी घोषणा की गयी है।
  - पशुपालन क्षेत्र में स्वचालित मार्ग से **100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश** की अनुमति दी गयी है।
- **दुग्ध उत्पादन में भारत का प्रथम स्थान है।** दूध के कुल वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 20% है। इसमें 8 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM): राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र के निर्माण के लिए अभिनव समाधानों पर विचार कर रहा है

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने सभी प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के लिए 'रुचि की अभिव्यक्ति' (एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट) आमंत्रित की है। इसका उद्देश्य ABDM हेतु **अभिनव समाधान** विकसित करना है।
  - प्राधिकरण को ABDM को लागू करने की जिम्मेदारी दी गयी है।
  - ABDM का लक्ष्य एक **सहज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** निर्मित करना है। यह प्लेटफॉर्म **डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली के भीतर अंतर–संचालनीयता (interoperability) को सक्षम** करेगा। (इन्फोग्राफिक्स देखें)।
- ये पक्षकार, **निःशुल्क** सेवा के रूप में समाधान प्रदान करेंगे।
- **ये पक्षकार निम्नलिखित रूप से योगदान कर सकते हैं:**
  - **एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफ़ेस (UHI)**: यह अलग–अलग डिजिटल समाधानों के बीच अंतर–संचालनीयता के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है। यह एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस के समान है।
  - **हेल्थ क्लेम्स प्रोटोकॉल (HCP)**: स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (अस्पताल, प्रयोगशाला आदि) इस प्लेटफॉर्म पर अपने ई–दावे जमा कर सकते हैं। भुगतान करने वाले संस्थान (जैसेः बीमाकर्ता, तृतीय पक्ष प्रशासक–TPA आदि) इस प्लेटफार्म से इन ई–दावों के आवेदन प्राप्त कर इनका निपटान कर सकते हैं।
  - **सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर** (SaaS): इसमें अस्पताल–पूर्व सूचना प्रणाली (HIS), स्वास्थ्य लॉकर आदि शामिल हैं।
  - **ओपन सोर्स समाधानः** इसमें SaaS या किसी अन्य उपकरण से संबंधित सॉफ्टवेयर (जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए उपयोगी हो सकता है) शामिल हो सकता है।
  - **अन्य समाधानः** इच्छुक पक्षकार कोई अन्य विशेष प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।
- **ऐसे सहयोग के लाभ**
  - इससे **डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र के विकास को गति** प्राप्त होगी।
  - इससे सार्वजनिक और/या **निजी संस्थाओं को डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएं उपलब्ध कराने में मदद** मिलेगी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) इकोसिस्टम

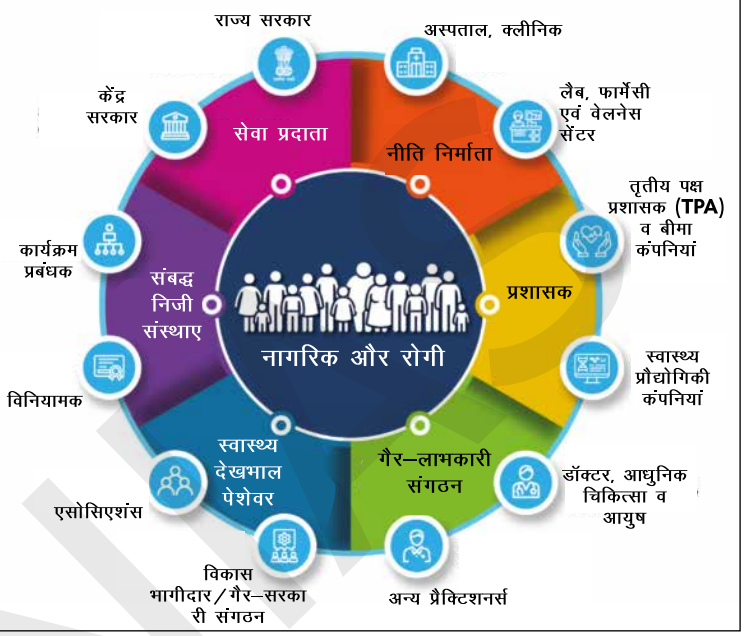

अन्य सुर्खियाँ

'ट्री सिटी ऑफ द वर्ल्ड' (TCW) टैग

- **मुंबई और हैदराबाद** को संयुक्त रूप से **'2021 TWC'** के रूप में मान्यता दी गई है।
- TCW कार्यक्रम को **संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन** तथा एक अमेरिकी गैर–लाभकारी संगठन **आर्बर डे फाउंडेशन** ने शुरू किया है।
  - यह एक समुदाय के **अपने शहरी वन के प्रति समर्पण के लिए दिशा, सहायता और विश्वव्यापी मान्यता** उपलब्ध कराता है।
    - इसके अतिरिक्त, यह शहर या कस्बे में स्वस्थ व टिकाऊ शहरी वानिकी कार्यक्रम के लिए रूपरेखा भी प्रदान करता है।
  - इसके तहत किसी शहर का मूल्यांकन पांच मानकों के आधार पर किया जाता है– **उत्तरदायित्व स्थापित करना; नियम निर्धारित करना; आपके पास क्या है, यह जानना; संसाधनों का आवंटन करना तथा उपलब्धियों को सहर्ष स्वीकारना।**

शेंगेन क्षेत्र (Schengen Area)

- यूरोपीय संघ (EU) ने कथित तौर पर यूनाइटेड किंगडम (UK) को "दंडित" करने का निर्णय लिया है। EU के अनुसार जिन गैर–यूरोपीय संघ नागरिकों के पास शेंगेन वीज़ा नहीं है, वे उसकी एयरलाइन्स के माध्यम से UK नहीं जा सकते।
  - **शेंगेन वीज़ा एक अल्पकालिक वीज़ा होता है।** इसका धारक नागरिक शेंगेन क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से यात्रा कर सकता है।
- शेंगेन क्षेत्र एक ऐसे क्षेत्र का प्रतीक है, **जहां 26 यूरोपीय देशों ने लोगों की स्वतंत्र और अप्रतिबंधित आवाजाही के लिए अपनी आंतरिक सीमाओं को खोल दिया है।**
  - ये देश हैं– ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आइसलैंड, इटली, लातविया, लिक्टेन्स्टाइन, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड।

'भारत में कोयले से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर संक्रमण को बढ़ावा देने के लिए कौशल कार्य योजना' शीर्षक से रिपोर्ट जारी की गई

- **मुख्य निष्कर्ष:**
  - भारत को अपने कोयला खदान श्रमिकों के पुनः कौशल विकास के लिए एक **मजबूत कार्य योजना** की आवश्यकता है। साथ ही, **पारंपरिक ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने की दिशा** में भी बढ़ना है।
  - कोयला खदानों से **7.25 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार** और कई अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होते हैं।
    - इनमें से अधिकतर **ब्लू–कॉलर श्रमिक हैं।** इन्हें समय के साथ नवीन कौशल प्रदान करके कुशल बनाने की आवश्यकता है।
  - एक **अनुकरणीय 'न्यायसंगत संक्रमण'** ढांचे के विकास पर ध्यान केन्द्रित करना जरूरी है। जिलों या राज्यों द्वारा इसका उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है कि प्रभावित कोयला खदान श्रमिकों की **आजीविका बाधित न हो।**

नेपच्यून क्रूज मिसाइल

- हाल ही में, रूसी नौसेना के निर्देशित मिसाइल युद्धपोत **मोस्कवा** को यूक्रेन की नेप्च्यून एंटी–शिप क्रूज मिसाइलों ने ध्वस्त कर दिया है।
  - इसका मोस्कवा नाम **मॉस्को शहर के नाम पर रखा गया है।**
  - इसे मूल रूप से वर्ष 1983 में स्लावा के रूप में नौसेना में शामिल किया गया था।
- नेप्च्यून एक तटीय **एंटी–शिप क्रूज मिसाइल है। यह 300 किमी** की सीमा में नौसैनिक पोतों को नष्ट करने में सक्षम है।
  - इसे मार्च 2021 में यूक्रेन के रक्षा बल में शामिल किया गया था।
  - **ये 16–फीट लंबी इंजन–चालित मिसाइलें हैं। ये 560 mph (900 किमी/घंटा) की गति से** और सतह से नौ से 30 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर सकती हैं।

खालसा पंथ

- प्रधान मंत्री ने **खालसा साजना दिवस** के विशेष अवसर पर सिख समुदाय को बधाई दी है। यह दिवस खालसा पंथ की **स्थापना की वर्षगांठ** के रूप में मनाया जाता है।
- **खालसा पंथ के बारे में:**
  - 'खालसा' शब्द का अर्थ **संप्रभु या स्वतंत्र होता है।**
  - इसी दिन **वर्ष 1699 में सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी** ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।
  - यह अनुयायियों को यह सिखाने के लिए स्थापित किया गया था कि कोई भी **अनुष्ठान या अंधविश्वास सर्वशक्तिमान ईश्वर से ऊपर नहीं है** और किसी को भी **अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए।**

चेन्नाकेशव मंदिर

- कर्नाटक में बेलूर के 900 वर्ष पुराने चेन्नाकेशव मंदिर में **रथोत्सव** की शुरुआत **मौलवी द्वारा कुरान पढ़ने के बाद सामंजस्यपूर्ण परंपरा के साथ हुई।** हालांकि, इस परंपरा की उत्पत्ति कैसे हुई यह तथ्य ज्ञात नहीं है।
- इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी की शुरुआत में होयसल शासक विष्णुवर्धन ने करवाया था। सेलखड़ी से निर्मित यह **मंदिर विस्तृत रूप से अलंकृत है।**
- विजयनगर शैली में निर्मित यह मंदिर **गोपुरम के साथ एक प्राकार (एक स्थापत्य संरचना) से घिरा हुआ है। मंदिर एक मंच या जगती पर निर्मित है और एक विशाल मंजूषा (casket) जैसा प्रतीत होता है।**

माधवपुर मेला

- यह एक धार्मिक–सांस्कृतिक मेला है। यह गुजरात के पोरबंदर तट के एक गाँव माधवपुर में प्रत्येक वर्ष आयोजित होता है।
- **मेला रामनवमी से शुरू होता है,** और त्रयोदशी पर समाप्त होता है। मेले में **लगभग 4,000** वर्ष पहले हुए **रुक्मिणी (वर्तमान अरुणाचल प्रदेश के राजा भीमक की पुत्री) के साथ भगवान कृष्ण के विवाह को उत्सव के रूप में मनाया जाता है।**
  - इस प्रकार, **मेला देश के पश्चिमी भाग के साथ पूर्वोत्तर के सांस्कृतिक संबंधों** को दर्शाता है।
- **गांव में भगवान कृष्ण और रुक्मिणी के अनेक मंदिर हैं।** इनके बारे में माना जाता है कि उन्हें 15वीं शताब्दी में बनवाया गया था।

सोलोमन द्वीप (राजधानी: होनियारा)

- हाल ही के एक दस्तावेज़ से पता चला है कि **सोलोमन द्वीप और चीन** अभूतपूर्व स्तर के **सुरक्षा सहयोग हेतु एक समझौते** पर सहमत हुए हैं।
- **भौतिक अवस्थिति:** सोलोमन द्वीप **मेलानेशिया** में एक द्वीपीय राष्ट्र है। यह **दक्षिणी–पश्चिमी प्रशांत महासागर** में स्थित है।
  - यह भौगोलिक रूप से पृथ्वी के **दक्षिणी और पूर्वी गोलार्ध में स्थित** है।
- **पड़ोसी देश:** यह **पापुआ न्यू गिनी के दक्षिण–पूर्व में और वानुअतु के उत्तर–पश्चिम में स्थित है।**
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **पर्वत,** सघन वनाच्छादित **ज्वालामुखी द्वीप** (कुछ सक्रिय) और कुछ निचले **कोरल एटोल।**
  - **उच्चतम बिंदु:** माउंट पोपोमेनसेउ।
  - **निम्नतम बिंदु:** प्रशांत महासागर।

दिल्ली लखनऊ जयपुर हैदराबाद पुणे अहमदाबाद चड़ीगढ गुवाहटी